सुविचार

संघर्ष ही जीवन की उच्चतम शिक्षा होती है ।

तरंग

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल का मासिक ई - न्यूजलेटर

tarangnews2024@gmail.com | माह-नवंबर 2025 | अंक - 29 वां

'मध्यप्रदेश स्थापना दिवस' की हार्दिक-हार्दिक शुभकामनाएँ

इस अंक के आकर्षण:

- 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन
- 'राष्ट्रीय सेवा योजना' का उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- 'उच्च शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धति और डिजीटल माध्यम : अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन
- 'युवा उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन
- ' प्राचीन भारतीय राजनीति के स्रोत एवं विविध आयाम' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन
- ' राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता' अंतर्गत 'साइबर क्राइम एवं साइबर सेफ्टी' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन
- सेवानिवृत्ति पर 'विदाई एवं सम्मान समारोह' का आयोजन

मोबाइल पर मिलेंगी जानकारियाँ

जुड़िए हमारे NEWS Letter

TARANG SE

तरंग से

‘सेवा पखवाड़ा’ अभियान के अंतर्गत पौधरोपण एवं पर्यावरण जागरूकता

01/10/2025 दिनांक- 17/09/2025 से 02/10/2025 तक ‘सेवा पखवाड़ा’ अभियान के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया। डॉ. अनुराधा दुबे द्वारा पर्यावरण जागरूकता के बारे में विद्यार्थियों को बताया गया एवं इससे सम्बंधित एक फिल्म भी दिखायी गई ।

‘विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस’ पर आधारित लघु फिल्मों का प्रदर्शन

10/10/2025 भारतीय ज्ञान परंपरा के त्रैमासिक कैलेंडर के अनुसार अक्टूबर माह की गतिविधि के अंतर्गत ‘विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस’ के अंतर्गत दो लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, इसमें मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित नुक्कड़ नाटक एवं चलचित्र दिखाया गया, जिसमें मानसिक आकलन के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को दिखाया गया, यह बताया गया कि हमें कभी भी अपने ऊपर नकारात्मक सोच को हावी नहीं होने देना चाहिए और अपनी रुचि की चीजों को बहुत महत्व देना चाहिए, चाहे वह संगीत हो या पेंटिंग हो या कुछ भी जीने का मकसद जरूर कुछ न कुछ होना चाहिए और अपने मन की बात परिवार में, शिक्षकों से या मित्रों से जरूर करते रहना चाहिए। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से इस लघु फिल्म माध्यम से संदेश पहुँचाया गया जिससे बच्चे मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। प्राचार्य महोदय डॉ. संजय जैन ने बताया कि इस दिवस का मुख्य उद्देश्य दुनिया भर में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाना है एवं बताया कि हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में मानसिक अस्वस्थता से जूझ रहा है, परंतु हमें हमेशा परेशानियों से बाहर निकलने का प्रयास करना चाहिए और नई शिक्षा नीति के माध्यम से इस प्रकार के उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रमों की सराहना की । डॉ. समता जैन ने मानसिक स्वास्थ्य से ही हम शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं । मानसिक रूप से समस्याओं से जूझ रहे लोगों की मदद करनी चाहिए और कभी भी अपने ऊपर नकारात्मक शक्ति को हावी नहीं होने देना चाहिए। हमें सकारात्मक तत्वों को ढूँढ़ना चाहिए, डॉ. मीता बादल ने भी विद्यार्थियों को कई मुद्दों पर सुझाव दिए और जल्दी सोकर जल्दी उठने के लिए सलाह दी और मोबाइल का कम इस्तेमाल करना चाहिए और सदा ख़ुश रहने की सलाह दी। विद्यार्थियों ने भी अपने अपने अनुभवों को साझा किया। इस जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. अंजना अग्रवाल, डॉ. चारूलता राठौड़, डॉ. अनुपमा यादव, श्रीमती प्रीति जौहरी, डॉ. अर्चना गौर, श्रीमती चित्रा खरे, श्रीमती पूनम वरवड़े, डॉ. नवीन कुमार मालवीय एवं अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे । कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम समन्वयक डॉ. समता जैन ने आभार व्यक्त किया । सभी छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम का आनंद लिया और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान भी प्राप्त किया। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ |

'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' के अवसर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

11/10/202 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' के अवसर पर महाविद्यालय में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अनुराधा कुशवाह, साइकोलाजिस्ट मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS) भोपाल से उपस्थित हुई । सर्वप्रथम अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य और जनभागीदारी अध्यक्ष द्वारा किया गया । कार्यक्रम के प्रारम्भ में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने विद्यार्थियों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के सुझाव दिए और छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य सही रखने हेतु जानकारी दी गई। अगले क्रम में मुख्य अतिथि द्वारा अपने उद्बबोधन में बताया गया कि Knowledge and Support System अपनाकर हम मानसिक स्वास्थ्य संबंधी बहुत सी परेशानियो से बच सकते हैं, तनाव प्रबंधन की तकनीके सीखें, स्वस्थ जीवनशैली अपनाएँ, जिसमें व्यायाम और अच्छा पोषण शामिल हो, जरूरत पड़ने पर किसी विश्वसनीय मित्र, परिवार के सदस्य या रिश्तेदार से सहायता लें। मोबाइल का सही उपयोग बहुत आवश्यक है, लोग दिनभर मोबाइल देखते रहते है जो कि व्यक्ति के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य पर बहुत हानिकारक प्रभाव डालता है। सोशल मीडिया का सीमित उपयोग करें। सभी छात्र नियमित एवं संयमित दिनचर्या का पालन करें और अपने कैरियर पर ध्यान दें और रोड के सिग्नल में जिस प्रकार तीनों Light का अपना महत्व है, उसी प्रकार जीवनचर्या को नियंत्रित करना है, इन्हें लाइटो की तरह नियंत्रण करना जरूरी है । कार्यक्रम की अगली कड़ी में छात्र-छात्राओं द्वारा मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रश्न किए गए । Psychologist या Psychiatrist इन दोनों में से किसके पास जाना चाहिए से संबंधित जानकारी प्राध्यापकों द्वारा ली गई । कार्यक्रम में महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष श्री बारेलाल अहिरवार एवं प्राचार्य डॉ. संजय जैन द्वारा भी छात्र-छात्राओं को मानसिक सास्थ्य ठीक रखने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन CND की विभागाध्यक्ष डॉ. मीता बादल द्वारा एवं आभार भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ की प्रभारी डॉ. समता जैन द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सम्मानित प्राध्यापको की उपस्थिति रही । डॉ. उमेश कुमार साकल्ले, डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. चारूलता राठौड़, डॉ. अंजना अग्रवाल, डॉ. सीमा श्रीवास्तव एवं आयोजन समिति के सदस्यों के साथ अन्य प्राध्यापक उपस्थित रहे । छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम को सफल बनाया ।

रानी दुर्गावती की 500 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता

14/10/2025 रानी दुर्गावती की 500 वीं जयंती के अवसर पर गायत्री मंदिर एम.पी. नगर भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों सहभागिता की । राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों के साथ उक्त कार्यक्रम में एन.एस.एस. बालक इकाई अधिकारी डॉ. कमलेश सिंह नेगी भी उपस्थित रहे ।

'राष्ट्रीय सेवा योजना' का उन्मुखीकरण कार्यक्रम

15/10/2025 महाविद्यालय में दिनांक- 15 से 17 अक्टूबर 2025 तक चलने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय परिसर में किया गया । कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना के बालक एवं बालिका इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा सामाजिक जागरूकता विषय पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक का प्रभावशाली मंचन किया गया। इस नाटक का निर्देशन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन के नेतृत्व में तथा बालक इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश सिंह नेगी एवं बालिका इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता चौहान के मार्गदर्शन में किया गया। नुक्कड़ नाटक में छात्रों ने सामाजिक मुद्दों को जीवंत अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत कर समाज में जागरूकता लाने का संदेश दिया, जिसे उपस्थित विद्यार्थियों एवं महाविद्यालय के समस्त स्टाफ द्वारा भरपूर सराहना प्राप्त हुई। इसके पश्चात दोनों कार्यक्रम अधिकारियों ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना की भूमिका, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली के विषय में प्रबोधन प्रदान किया। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज सेवा, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों के प्रति सजग रहने हेतु प्रेरित किया। इस प्रकार उन्मुखीकरण कार्यक्रम के प्रथम दिवस का समापन गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

'उच्च शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धति और डिजीटल माध्यम : अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

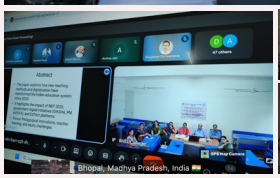

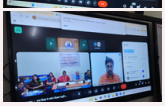

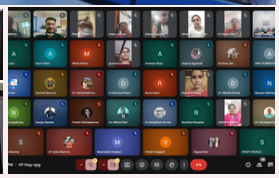

15/10/2025 उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित **'उच्च शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धति और डिजीटल माध्यम : अवसर और चुनौतियाँ'** विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार महाविद्यालय में आयोजित किया गया। जिसमें 200 के करीब प्रतिभागियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया और 28 फुल पेपर प्राप्त हुए, जो कि देश से ही नहीं विदेश से भी प्रतिभागियों का जुड़ने का सिलसिला रहा। इसमें महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा और मध्यप्रदेश एवं अन्य स्थानों से प्रतिभागियों ने अपनी सहभागिता नेशनल वेबिनार में दी । राष्ट्रीय वेबिनार में आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, प्राध्यापक प्राणिशास्त्र के द्वारा महाविद्यालय में संचालित कक्षाएं एवं शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं पर प्रकाश डाला। राष्ट्रीय वेबिनार के संरक्षक एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज के इस राष्ट्रीय वेबिनार में जुड़े हुए आभासी पटल के सभी श्रोताओं का हृदय से आभार। **'उच्च शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धति और डिजीटल माध्यम : अवसर और चुनौतियाँ'** जैसे सार्थक विषय पर चर्चा से हमारे सभी श्रोता खासकर शोधार्थी एवं विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। उनके ज्ञान के विस्तार में यह वेबिनार सहभागी बनेगा ।विशिष्ट वक्ता डॉ. विक्रम सिंह का परिचय अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष एवं प्राध्यापक डॉ. सीमा श्रीवास्तव ने दिया। तत्पश्चात डॉ. विक्रम सिंह, सह प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग, राजकीय डिग्री कॉलेज टप्पल, अलीगढ़ ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा में शिक्षण के लिए डिजीटल प्लेटफार्म की महत्वपूर्ण भूमिका है। डिजीटल माध्यमों ने हमारी उच्च शिक्षा को विश्वव्यापी बनाया है। जिसके माध्यम से हम अनेकों प्रकार के नवाचार कर सकते है। आज चिकित्सा, इंजीनियरिंग, नृत्य गायन, वादन आदि संकायों में डिजीटल माध्यमों का उपयोग हो रहा है। विकसित भारत के निर्माण में डिजीटल शिक्षण माध्यम बहुत उपयोगी सिद्ध हो रहा है। हमारी वर्तमान सरकारें भी इस माध्यम को प्रोत्साहित कर रही हैं।

द्वितीय विशिष्ट वक्ता डॉ. आकाश कुमार सोनी, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र, श्यामलाल कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का परिचय श्रीमती प्रीति जौहरी ने दिया । तत्पश्चात डॉ. आकाश कुमार सोनी ने अपना वक्तव्य न्यू टीचिंग मैथड्स एण्ड डिजीटल मीडियम इन हायर एजुकेशन के माध्यम से अपनी बात कही। 2019 के बाद अध्ययन की डिजीटल पद्धतियों का तेजी से विकास हुआ है। इन पद्धतियों के माध्यम से शिक्षक और विद्यार्थी दोनों की भूमिकाओं में तीव्र परिवर्तन परिलक्षित हुआ है। डिजीटल माध्यमो के द्वारा लोगों की शिक्षण में सहभागिता बढ़ी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 ने भी डिजीटल माध्यमों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। शिक्षा की इस नवीन पद्धति ने हमें ज्यादा अवसर प्रदान किए हैं। खेल - खेल में विद्यार्थी को कैसे सिखाना यह डिजीटल शिक्षण पद्धति की सार्थकता है। इसके द्वारा कई इंटीग्रेटेड कोर्सों का लाभ विद्यार्थी उठा रहे हैं। डिजीटल शिक्षण पद्धति में इंटरनेट कनेक्टिविटी, विश्वसनीय डेटा का अभाव, साइबर सिक्योरिटी, डेटा सुरक्षा जैसी कुछ चुनौतियाँ भी परिलक्षित होती है।

देशभर से अनेको शोधार्थियों ने अपने-अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। तत्पश्चात डॉ. समता जैन के द्वारा जिज्ञासाओं का समाधान एवं समापन सारांश प्रस्तुत किया। वेबिनार के अंत में क्लिनिकल न्यूट्रिशन एंड डाइटेटिक्स (सीएनडी) की विभागाध्यक्ष डॉ. मीता बादल के द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। राष्ट्रीय वेबिनार की स्मारिका पुस्तक का प्रकाशन ISBN नंबर सहित चयनित पेपर्स के साथ किया जाएगा ।

दो दिवसीय 'युवा उत्सव' कार्यक्रम का आयोजन

16/10/2025 महाविद्यालय में 'युवा उत्सव' का औपचारिक उद्घाटन जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष माननीय श्री बारेलाल अहिरवार एवं 'युवा उत्सव' के संरक्षक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन एवं युवा उत्सव प्रभारी डॉ. अनुराधा दुबे ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में माँ सरस्वती के चित्र पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण किया गया । तत्पश्चात आयोजन समिति के सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने कहा कि 'युवा उत्सव' महाविद्यालय का महत्वपूर्ण आयोजन है। जिसके द्वारा महाविद्यालय की श्रेष्ठ प्रतिभाएँ उभरकर आती हैं। मुझे उम्मीद है कि सभी विद्यार्थी इसमें अपना संपूर्ण योगदान देंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री बारेलाल अहिरवार जी ने कहा कि हमारा महाविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। 'युवा उत्सव' जैसे आयोजन में युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी होना चाहिए। जिस हॉल में यह कार्यक्रम हो रहा है, वह हॉल पुराना हो गया है, शीघ्र ही यह हॉल नए स्वरूप में बनकर तैयार होगा, जिसमें हमारे युवा अच्छी तरह से अपनी योग्यता, कलाओं का प्रदर्शन उत्कृष्ट रूप से कर सकेंगे। कार्यक्रम में वक्तृता, वाद-विवाद, नृत्य और गायन जैसी विधाओं में विद्यार्थियों की प्रस्तुति से सभागार में प्रसन्नता और उत्साह का उजियारा बिखर गया। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. इलारानी श्रीवास्तव ने किया । इस अवसर पर युवा उत्सव समिति, समस्त प्राध्यापक, महाविद्यालयीन स्टाफ और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित स्थल चित्रण, व्यंग्य चित्र, प्रश्न मंच, रंगोली जैसी विधाओं के आयोजन के लिए युवा उत्सव सुंदर मंच है। सांस्कृतिक, साहित्यिक समिति की संयोजक डॉ. सुषमा जादौन ने सभी का आभार व्यक्त किया ।

राष्ट्रीय सेवा योजना के उन्मुखीकरण कार्यक्रम का समापन

17/10/2025 महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) उन्मुखीकरण कार्यक्रम का समापन कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम के अंतिम दिवस, बौद्धिकी सत्र के उपरांत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत NSS एवं NCC के फ्लैग स्टैंड की सफाई की गई एवं स्वयंसेवकों द्वारा उसमें लाल रंग से पुताई कर परिसर की शोभा बढ़ाई गई। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन के निर्देशन में किया गया। बालक इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. कमलेश सिंह नेगी एवं बालिका इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता चौहान के कुशल संयोजन में कार्यक्रम की समस्त गतिविधियाँ सम्पन्न हुईं । इस अवसर पर स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा श्रमदान करते हुए स्वच्छता का संदेश प्रसारित किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रीय सेवा भावना का विकास करना एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा। इस सराहनीय पहल से न केवल विद्यार्थियों में सेवा और स्वच्छता के प्रति चेतना का संचार हुआ, बल्कि महाविद्यालय परिसर की सौंदर्यता में भी अभिवृद्धि हुई। इस प्रकार राष्ट्रीय सेवा योजना के तीन दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यकम का समापन हुआ ।

युवा उत्सव का हुआ समापन

17/10/2025 महाविद्यालय में युवा उत्सव के समापन दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों ने प्रश्न मंच, एकांकी, रंगोली और पोस्टर निर्माण में अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। सभी प्रतिभागियों और युवा उत्सव में उपस्थित विद्यार्थियों ने भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित प्रतियोगिताओं में अपने उत्साह का परिचय दिया। एकांकी 'वीर पुत्र' में बेटे की शहादत पर आधारित कथावस्तु ने दर्शकों को भावविह्वल कर दिया। छात्राओं ने ज्योति पर्व शीर्षक पर सुंदर रंगोली बनाकर युवा उत्सव को सार्थकता प्रदान की। इस कार्यक्रम का संपूर्ण आयोजन प्राचार्य डॉ. संजय जैन के मार्गदर्शन में किया गया। युवा उत्सव प्रभारी डॉ. अनुराधा दुबे, सांस्कृतिक साहित्यिक समिति की संयोजक डॉ. सुषमा जादौन ने और युवा उत्सव समिति ने महाविद्यालय परिवार तथा प्राचार्य डॉ. संजय जैन को धन्यवाद दिया ।

'एन.ई.पी. (ऑर्डिनेंस – 14 (1), 14 (2)) , स्वयं पोर्टल, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट / अपार आई.डी. के संबंध में शैक्षणिक स्टाफ के लिये प्रशिक्षण का आयोजन

28/10/2025 उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रं. 3244/884/आउशि/अकादमी/2025 दिनांक-24/10/2025 के परिपालन में महाविद्यालय में 'एन.ई.पी. (ऑर्डिनेंस – 14 (1), 14 (2))' स्वयं पोर्टल, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट / अपार आई.डी. के संबंध में शैक्षणिक स्टाफ के लिये प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। डॉ. आर. के. शर्मा, प्राध्यापक वाणिज्य ने पी.पी.टी. के माध्यम से 'एन.ई.पी. (ऑर्डिनेंस – 14 (1), 14 (2))' स्वयं पोर्टल, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट / अपार आई.डी. के बारे में विस्तार से बताया। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टाफ ने सहभागिता की।

'एन.ई.पी. (ऑर्डिनेंस – 14 (1), 14 (2)) , स्वयं पोर्टल, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट / अपार आई.डी. के संबंध में शैक्षणिक स्टाफ के लिये प्रशिक्षण का आयोजन

29/10/2025 उच्च शिक्षा विभाग के पत्र क्रं. 3244/884/आउशि/अकादमी/2025 दिनांक-24/10/2025 के परिपालन में महाविद्यालय में 'एन.ई.पी. (ऑर्डिनेंस – 14 (1), 14 (2))' स्वयं पोर्टल, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट / अपार आई.डी. के संबंध में विद्यार्थियों के लिये प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को डॉ. आर. के. शर्मा, प्राध्यापक वाणिज्य एवं डॉ. नवीन कुमार मालवीय, सहायक प्राध्यापक, रसायनशास्त्र द्वारा पी.पी.टी. के माध्यम से 'एन.ई.पी. (ऑर्डिनेंस – 14 (1), 14 (2))' स्वयं पोर्टल, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट / अपार आई.डी. के बारे में विद्यार्थियों को विस्तार से बताया। विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में सहभागिता की।

'मध्यप्रदेश स्थापना दिवस' के उपलक्ष्य में 'अभ्युदय मध्यप्रदेश : विरासत से विकास' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

29/10/2025 महाविद्यालय में **'मध्यप्रदेश स्थापना दिवस'** के उपलक्ष्य में **'अभ्युदय मध्यप्रदेश : विरासत से विकास'** विषय पर केन्द्रित निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में राज्य की गौरवशाली विरासत, विकास यात्रा एवं भविष्य की संभावनाओं के प्रति जागरूकता एवं गर्व की भावना जागृत करना है। प्रतियोगिता में कुल- 14 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की । विद्यार्थियों ने मध्यप्रदेश की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक उपलब्धियों के साथ-साथ राज्य के सर्वांगीण विकास की दिशा में अपने अपने विचार लिपिबद्ध किए। निबंध प्रतियोगिता की संयोजक डॉ. सुषमा जादौन, डॉ. गीता चौहान एवं सहयोगी सदस्य के रूप में डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. इलारानी श्रीवास्तव, डॉ. कमलेश सिंह नेगी उपस्थित रहे ।

'तनाव प्रबंधन हेतु आंतरिक शक्ति को बढ़ाना' विषय पर आयोजित ऑनलाइन प्रेरणा सत्र में सहभागिता

29/10/2025 राज्य परियोजना संचालनालय, विश्व बैंक परियोजना, उच्च शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश, सतपुड़ा भवन भोपाल के पत्र क्रं. 3178/वि.बै.परि./2025 दिनांक- 23/10/2025 के परिपालन में उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. द्वारा **'तनाव प्रबंधन हेतु आंतरिक शक्ति को बढ़ाना'** विषय पर आयोजित ऑनलाइन प्रेरणा सत्र में प्रभारी प्राचार्य डॉ. चारूलता राठौड़ के मार्गदर्शन में डॉ. अर्चना शर्मा, डॉ. गीता चौहान, डॉ. इलारानी श्रीवास्तव, डॉ. अनुराधा दुबे, डॉ. सुषमा जादौन, श्रीमती आरती पटेल, श्रीमती पूनम वरवड़े आदि प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की एवं कार्यक्रम को रूचिपूर्वक देखा एवं सुना ।

‘ प्राचीन भारतीय राजनीति के स्रोत एवं विविध आयाम’ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

29/10/2025 महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा **‘प्राचीन भारतीय राजनीति के स्रोत एवं विविध आयाम’** विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्रधानमंत्री ऑफ एक्सीलेंस कॉलेज हमीदिया अग्रणी महाविद्यालय भोपाल, महारानी लक्ष्मीबाई कन्या महाविद्यालय भोपाल, सत्य साईं महिला महाविद्यालय भोपाल एवं बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने शोध पत्र का प्रस्तुतिकरण किया । प्रभारी प्राचार्य डॉ. चारूलता राठौड़ ने विभिन्न महाविद्यालयों से आए हुए विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उनके बौद्धिक योगदान की सराहना की एवं शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों द्वारा आयोजित नवाचार की प्रशंसा की । संगोष्ठी में महाविद्यालय की प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अंजना अग्रवाल, वनस्पति विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अनुराधा दुबे एवं अन्य प्राध्यापकगण की उपस्थिति रही । राजनीति विज्ञान विभाग ने विद्यार्थियों के इस शैक्षिक एवं बौद्धिक योगदान की सराहना की । संगोष्ठी में मंच संचालन श्री शरद प्यासी शोधार्थी द्वारा किया गया । शोधार्थी श्री अभिषेक सोनी ने संगोष्ठी के अंत में आभार व्यक्त किया ।

‘ राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता’ अंतर्गत ‘साइबर क्राइम एवं साइबर सेफ्टी’ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन

30/10/2025 महाविद्यालय के पुस्तकालय विभाग द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एवं उच्चशिक्षा विभाग मध्यप्रदेश शासन सतपुड़ा भवन भोपाल के निर्देशानुसार **‘राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता’** माह अक्टूबर 2025 (एनसीएसएएम) के अंतर्गत **‘साइबर क्राइम एवं साइबर सुरक्षा’** विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में श्री हेमराज सिंह चौहान (सीआईएसओ) (आईटी कन्सल्टेंट एण्ड साइबर सिक्युरिटी एक्सपर्ट) ने बताया कि टेक्नोलॉजी के बढते प्रभाव के साथ हमें अपने आपको जागरूक कैसे रखना है। साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल संपत्तियों की धोखाधड़ी से बचने के लिए तथा अपने डाटा को सुरक्षित रखने के लिए उपाय बताये कि फोन के परमीशन मैनेजर से फोन परमीशन ओटीपी, ऐक्सेस नियंत्रित करें, ई- सिम का उपयोग करें, केवल एडब स्केनर का ही उपयोग करें, घर के वाई-फाई को मेक बाइंडिग से नियंत्रित करें तथा हर किसी लिंक को ओपन न करें। इस प्रकार हम अपने आपको सुरक्षित रखते हुए दूसरो को भी सुरक्षित रखेंगे। इस प्रकार अपने राष्ट्र को भी सुरक्षित रखने में सहयोग कर सकते हैं। उपस्थित विद्यार्थियों एवं स्टॉफ ने साइबर सुरक्षा एवं डिजीटल संपत्तियों की सुरक्षा संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। व्याख्यान में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने कहा कि आज के व्याख्यान से सभी को निश्चित रूप से डिजिटल जागरूकता में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रकाश नारायण राज ने अंत में सभी का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम में डॉ. उमेश कुमार साकल्ले, डॉ. अंजना अग्रवाल, डॉ. सीमा श्रीवास्तव, श्रीमती प्रतिभा डेहरिया, कम्प्यूटर ऑपरेटर आकांक्षा शर्मा, संजय साहू एवं समस्त प्राध्यापकों के साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे ।

सेवानिवृत्ति पर 'विदाई एवं सम्मान समारोह' का आयोजन

31/10/2025 वाणिज्य विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. ए. के. महागाये और श्रीमती रश्मि खरे, सहायक ग्रेड-3 की सेवानिवृत्ति पर स्टॉफ क्लब की ओर से भावुक विदाई दी गयी। प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन और स्टॉफ क्लब अध्यक्ष डॉ. अनुराधा दुबे ने पुष्पगुच्छ, श्रीफल और शॉल के साथ प्रतीक चिह्न भेंट कर दोनों का स्वागत और सम्मान कर समारोह की शुभ शुरुआत की। मुख्य लिपिक राजाराम महावर, लेखापाल शिवनारायण प्रजापति तथा अन्य सदस्यों ने भी महागाये सर और रश्मि खरे मेडम को पुष्प, उपहार और भावनाओं के अमूल्य समर्पण से भावुक कर दिया। श्री रमाकांत तिवारी, श्री राजाराम महावर, श्रीमती मोहिनी, श्रीमती रानी मारन और श्री शिवनारायण प्रजापति ने शब्दों के माध्यम से अपनी भावनाएँ प्रकट की। डॉ. चारुलता राठौड़, डॉ. अनुपमा यादव, श्रीमती चित्रा खरे और डॉ. दीक्षा बरडे ने समन्वित स्वर में श्रीमती खरे और डॉ. ए.के. महागाये के सरल, सहज व्यक्तित्व और काम के प्रति उनके समर्पण की सराहना की। प्रजापति जी की कविता 'हम तुम्हें भुला न पाएंगे' और खरे मेडम की पुत्रवधु मानसी के भावोद्गारों ने सभी की आँखें नम कर दीं। सुरक्षाकर्मी श्री मनोहर लाल सोनी की कविता 'यादों की देहरी पर बैठा नेह निमंत्रण प्रीत लिए' आने वाले दिनों के लिए उजास भरा संदेश समेटे हुए थी। श्रीमती रश्मि खरे ने कम शब्दों में अपनी बात कही। उनकी भावनाएं शब्दों और आँसुओं में डूबी हुई थी। उन्होंने कहा कि वे इस संस्था के सभी सदस्यों का साथ, विश्वास और मार्गदर्शन को कभी नहीं भूल पाएँगी। उन्होंने सभी को हार्दिक धन्यवाद दिया । डॉ. ए. के. महागाये ने भी अपने भावुक उद्बोधन में कहा कि यह जीवन का पड़ाव, नयी यात्रा का शुभारंभ है। प्रसन्नता और दुख दोनों उनकी अभिव्यक्ति में झलक रहे थे। अपने जीवन की इस सेवायात्रा में उन्होंने 28 प्राचार्यो के साथ कार्य करने का उल्लेख किया। डॉ. संजय कुमार जैन उनके शोध मार्गदर्शक भी है, उन्होंने इस हेतु प्राचार्य डॉ. संजय जैन का और महाविद्यालय के प्रत्येक सदस्य के प्रति आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवानिवृत्ति जीवन की दूसरी पारी है। अध्यापन, शैक्षणिक प्रोफेशन अत्यंत गौरव की बात है। विपरीत परिस्थितियों में पूर्ण लगन से काम करना ही इन दोनों सहयोगियों की पहचान है। डॉ. महागाये और श्रीमती खरे ने अपने सेवाकाल में सभी सौंपे गये दायित्वो का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन किया है इसलिए यह महाविद्यालय उनका आभारी है। डॉ. जैन ने दोनों के लिए स्वस्थ, प्रसन्नचित्त एवं दीर्घायु रहने की कामना की। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. इलारानी श्रीवास्तव ने और डॉ. मीता बादल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

यह विदाई समारोह आत्मीय क्षणों का स्मरणीय आलोक पुंज बन गया, हर आंख नम थी और हर मन में मुस्कान ....।

समाचार पत्रों से

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस: बाबूलाल गौर शासकीय कॉलेज में आयोजित की गई संगोष्ठी

मानसिक स्वास्थ्य के लिए जीवन शैली का संतुलन आवश्यक

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर patrika.com

बरखेड़ा. मानसिक स्वास्थ्य के लिए जीवन शैली का संतुलन आवश्यक है, मोबाइल का सीमित उपयोग, पोषण आहार, व्यायाम तथा मित्रो ,रिश्तेदारों से बोलचाल इसमें सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं उक्त विचार मनोचिकित्सक डॉ. अनुराधा कुशवाहा ने बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में आयोजित संगोष्ठी में व्यक्त किए। भेल महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ के रूप में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल की मनोरोगी चिकित्सक डा अनुराधा कुशवाह ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए जीवन शैली का संतुलन आवश्यक है हमें मोबाइल का सीमित उपयोग करना चाहिए। पोषण आहार, व्यायाम तथा विश्वसनीय मित्रों, रिश्तेदारों से विचारों का आदान प्रदान सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं। आपने जीवन शैली में भी ट्रैफिक सिग्नल जैसे संकेतों के पालन करने की सलाह दी तथा छात्र -छात्राओं की जिज्ञासाओं का संतोषजनक समाधान किया।

स्व.बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में संगोष्ठी आयोजित

स्वदेश ज्योति

जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार ने किया रंगारंग कार्यक्रमों का शुभारंभ

युवा उत्सव में छात्राओं ने दी संगीतमयी प्रस्तुति

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में दो दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ जन भागीदारी समिति अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार एवं प्रचार डॉ. संजय जैन ने गुरूवार को दीप प्रज्ज्वलित कर मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ शुभारंभ किया। कार्यक्रम की प्रभारी डॉक्टर अनुराधा दुबे ने अतिथि का स्वागत किया। छात्राओं ने एक से एक मनमोहक नृत्याओं की संगीतमय प्रस्तुति दी। युवा उत्सव प्रतियोगिताओं में वक्रता, वाद विवाद, अकाल नृत्य शास्त्रीय समूह नृत्य, एकल गायन, सम शास्त्री कर्नाटकी, पश्चात समूह गायन सुगम संगीत आदि प्रतियोगिता मे छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढक़र हिस्सा लिया। कल रंगोली, एकांकी मिमिक्री, हास्य नाटिका, मुक अभिन, स्थल चित्रण, व्यंग्य, चित्र पोस्टर निर्माण, मॉडलिंग कोलाज आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा।

Bhopal Main-Edition Edition

भेल कॉलेज में युवा उत्सव धूम, मनमोहक नृत्य ने बांधा शमां

राजधानी गौरव, भेल भोपाल

गुरूवार को बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में दो दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ किया गया।

छात्राओं ने एक से एक मनमोहक नृत्यओ की संगीतमय प्रस्तुति दी। युवा उत्सव प्रतियोगिताओं में वक्रता, वाद विवाद, अकाल नृत्य शास्त्रीय समूह नृत्य, एकल गायन, सम शास्त्री कर्नाटकी, पश्चात समूह गायन सुगम संगीत आदि प्रतियोगिता मे छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कल रंगोली, एकांकी मिमिक्री, हास्य नाटिका, मुक अभिन, स्थल चित्रण, व्यंग्य, चित्र पोस्टर निर्माण, मॉडलिंग कोलाज आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर इला रानी श्रीवास्तव ने किया। बड़ी संख्या में छात्र/छात्राएं मौजूद थे।

युवा उत्सव उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान, डॉ. मुखर्जी कॉलेज और गौर कॉलेज में आयोजन

स्टूडेंट्स ने म्यूजिक, डांस, क्रिएटिविटी से युवा उत्सव को बनाया वाइब्रेंट

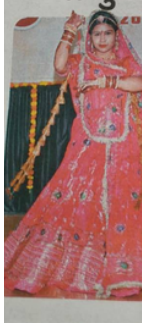

सिटी रिपोर्टर • उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान और शासकीय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में युवा उत्सव 2025-26 के तहत विद्यार्थियों की सृजनात्मक ऊर्जा और सांस्कृतिक प्रतिभा का सुंदर संगम देखने को मिला। तीन दिवसीय और द्विदिवसीय उत्सवों में संगीत, नृत्य, वाद-विवाद, पोस्टर निर्माण, रंगोली और गायन जैसी विभिन्न विधाओं में युवा प्रतिभाओं ने मंच को रचनात्मकता, ताल और विचारों की जीवंतता से भर दिया।

पंडित बिरजू महाराज की 'इठलाती, बलखाती' पर नृत्य

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान में हुए कार्यक्रम के दूसरे दिन विद्यार्थियों ने संगीत और नृत्य की विधाओं में प्रदर्शन किया। कथक में भूमिका जौहरी ने पंडित बिरजू महाराज द्वारा कोरियोग्राफ ठुमरी 'इठलाती, बलखाती' की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। शास्त्रीय एकल गायन, 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं भविष्य' विषय पर हुए पोस्टर निर्माण और वाद-विवाद की प्रतियोगिताएं हुईं। वहीं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी महाविद्यालय में भी वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रश्न मंच, रंगोली, नृत्य के आयोजन में युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

छात्राओं ने पेश किया मनमोहक नृत्य

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ हुआ। छात्राओं ने मनमोहक नृत्य की संगीतमय प्रस्तुति दी। प्रतियोगिताओं में वक्रता, वाद विवाद, अकाल नृत्य शास्त्रीय समूह नृत्य, एकल गायन, सम शास्त्री कर्नाटकी, पश्चात समूह गायन सुगम संगीत आदि प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। शुक्रवार को रंगोली, एकांकी मिमिक्री, हास्य नाटिका, मुक अभिन का आयोजन किया जाएगा।

दो दिवसीय युवा उत्सव का आयोजन

बरखेड़ा. ZOOM रिपोर्टर

बाबूलाल गौर शा. स्नातकोत्तर महाविद्यालय में दो दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ किया गया। युवा उत्सव प्रतियोगिताओं में वक्ता, वाद विवाद, एकल, शास्त्रीय, समूह नृत्य, एकल , सामूहिक गायन, सुगम संगीत आदि प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। रंगोली, एकांकी मिमिक्री, हास्य नाटिका, स्थल चित्रण, व्यंग्य,मॉडलिंग कोलाज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इला रानी श्रीवास्तव ने किया।

18.10.2025

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

दिनांक- 17/10/2025 पृष्ठ क्रमांक- 3 संस्करण- भोपाल

बाबूलाल गौर शासकीय कॉलेज में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ दो दिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ

भोपाल। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल भोपाल में गुरुवार को दो दिवसीय युवा उत्सव 2025 का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष बारेलाल अहिरवार एवं प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने दीप प्रज्वलित कर एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम प्रभारी डॉ. अनुराधा दुबे ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह के प्रारंभ में छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनमोहक नृत्य एवं संगीतमय प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मंच पर युवाओं की ऊर्जा और उत्साह देखते ही बनता था। युवा उत्सव के पहले दिन वक्तता, वाद-विवाद, शास्त्रीय नृत्य, समूह नृत्य, एकल गायन, शास्त्रीय एवं कर्नाटकी संगीत, समूह गायन और सुगम संगीत जैसी प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई। इनमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी कला एवं अभिव्यक्ति की उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

Date: 17/10/2025, Page: 3, City: Bhopal
Web: rashtriyahindimail.com

राष्ट्रीय हिन्दी मेल

दैनिक दीनबन्धु

Zoom Clip Archive

शुक्रवार, 17 अक्टूबर 2025 - पृष्ठ: 2

भोपाल स्टेशन पर आरपीएफ ने 1 लाख कीमत के ज्वलनशील पटाखे एवं 2 घरेलू गैस सिलेण्डर पकड़े

बाबूलाल गौर शासकीय कॉलेज में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ दो दिवसीय युवा उत्सव शुरू

दैनिक प्रदेश वर्तमान

बाबूलाल गौर शासकीय कॉलेज में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ दो दिवसीय युवा उत्सव का हुआ शुभारंभ

ITDC NEWS INDIA

बाबूलाल गौर कॉलेज में डिजिटल माध्यम और नवीन शिक्षण पर राष्ट्रीय वेबीनार

17.10.2025

समाचार पत्रों से

कार्यक्रम   वर्चुअल राष्ट्रीय वेबीनार में शामिल हुए 200 प्रतिभागी

तेजी से बढ़ रहा है डिजिटल माध्यमों का प्रचलन

पत्रिका ZOOM रिपोर्टर
patrika.com

बरखेड़ा. डिजिटल माध्यमों ने उच्चशिक्षा को विश्वव्यापी बनाया है, केंद्र एवं राज्य सरकारें भी इसे प्रोत्साहित कर रही हैं, प्रशासकीय कार्यों में भी डिजिटल माध्यमों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है, समय की मांग या आवश्यकता के अनुसार डिजिटल माध्यमों से उच्च शिक्षण पद्धतियों का तेजी से विकास हो रहा है, लेकिन फिर भी क्लास रूम टीचिंग का स्थान अब तक नहीं ले पाया है क्योंकि आज भी क्लासरूम टीचिंग का विकल्प छात्र-छात्राओं के बीच सर्वाधिक भरोसेमंद है उक्त विचार विषय विशेषज्ञों ने उच्च शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धति और डिजिटल माध्यम : अवसर और चुनौतियां विषय पर वर्चुअल आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किये।

> डिजिटल माध्यमों ने उच्च शिक्षा को विश्वव्यापी बनाया है इंजीनियरिंग, कॉमर्स, मेडिकल, आर्किटेक्चर, कला, संगीत, नृत्य, फोटोग्राफी आदि में डिजिटल माध्यमों ने उच्च शिक्षा को और अधिक उपयोगी बना दिया है।
> **डॉ. संजय जैन,** प्राचार्य, बाबूलाल गौर शासकीय महाविद्यालय बरखेड़ा

विशिष्ट वक्ता राजकीय डिग्री कॉलेज टप्पल अलीगढ़ के प्रोफेसर डॉ. विक्रम सिंह ने बताया कि डिजिटल माध्यमों पर केंद्र और राज्य सरकारें सजग हैं, शोध कार्यों में डिजिटल माध्यमों का अद्वितीय योगदान है। वर्ष 2015 से यह प्रयास प्रारंभ हुए थे स्वयं पोर्टल, मूक, वर्चुअल क्लासेज, ई-लाइब्रेरी जैसे प्लेटफॉर्म लोकप्रिय हुए हैं। दिव्यांगों को उच्च शिक्षा के लिए डिजिटल माध्यम वरदान है, लेकिन इसके सामने कई चुनौतियां भी हैं यही वजह है कि डिजिटल माध्यम अब तक भी क्लासरूम टीचिंग का परमानेंट विकल्प नहीं बन पाए।

विशेषज्ञों ने कहा- तुलनात्मक रूप से सस्ता

विषय विशेषज्ञ डॉ. आकाश के सोनी ने कहा कि यह भौगोलिक सीमाओं से परे रोचक ढंग से देने का माध्यम बन गया है, यह तुलनात्मक रूप से सस्ता भी है इसमें लचीलापन, नवाचार और ग्लोबलाइजेशन जैसी विशेषताएं भी हैं नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम डिजिटल शिक्षा की सार्थक पहल है, फिलिप्ड क्लासरूम, ए-आई, ई-लर्निंग तथा प्रोजेक्ट बेस्ड शिक्षा इसके बेहतर स्वरूप हैं। संयोजक डॉ समता जैन ने बताया कि इस राष्ट्रीय वेबीनार में महाराष्ट्र ,छत्तीसगढ़, हरियाणा,उत्तरप्रदेश ,राजस्थान ,गुजरात तथा मप्र के अतिरिक्त विदेश से भी लगभग दो सौ से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की है। जिनमें प्राचार्य, प्राध्यापक,शोधार्थी शामिल रहे तथा 28 शोध पात्र प्राप्त हुए हैं।

18.10.2025

सिटी एक्टिविटी

भेल कॉलेज में राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन

भोपाल। डिजिटल माध्यमों ने उच्च शिक्षा को विश्वव्यापी बनाया है। केंद्र एवं राज्य सरकारें भी इसे प्रोत्साहित कर रही हैं। प्रशासकीय कार्यों में डिजिटल प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। क्लास रूम टीचिंग का विकल्प नहीं है, फिर भी समय की जरूरत के अनुसार डिजिटल माध्यमों से उच्च शिक्षण पद्धतियों का तेजी से विकास हो रहा है। यह विचार बाबूलाल गौर शासकीय पीजी महाविद्यालय भेल में 'उच्च शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धति और डिजिटल माध्यम : अवसर और चुनौतियां' विषय पर वेबिनार में वक्ता राजकीय डिग्री कॉलेज टप्पल अलीगढ़ के डॉ. विक्रम सिंह ने रखे। | पीपुल्स समाचार

17.10.2025

डिजिटल माध्यमों पर भेल कॉलेज में वेबीनार

भोपाल। डिजिटल माध्यमों ने उच्च शिक्षा को विश्वव्यापी बनाया है। केंद्र एवं राज्य सरकारें भी इसे प्रोत्साहित कर रही हैं। प्रशासकीय कार्यों में डिजिटल माध्यमों का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। क्लास रूम टीचिंग का कोई विकल्प नहीं है। उक्त विचार विषय विशेषज्ञों ने बुधवार को भेल कॉलेज में आयोजित नवीन शिक्षण पद्धति और डिजिटल माध्यम की चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। इस मौके पर विशिष्ट वक्ता डा विक्रम सिंह राजकीय डिग्री कालेज टप्पल अलीगढ़, दिल्ली विवि. श्यामलाल कॉलेज के विषय विशेषज्ञ डा. आकाश के सोनी, प्राचार्य डॉ संजय जैन, संयोजक डॉ समता जैन, आईक्यूएसी कोआरडीनेटर डॉ कीर्ति श्रीवास्तव आदि ने अपने विचार रखे। होमसाइन्स विभागाध्यक्ष डॉ मीता बादल ने आभार व्यक्त किया।

डिजिटल माध्यमों ने उच्च शिक्षा को विश्वव्यापी बनाया है क्लासरूम टीचिंग का कोई विकल्प नहीं है

भोपाल, लोकल एक्सप्रेस

डिजिटल माध्यमों ने उच्च शिक्षा को विश्वव्यापी बनाया है, केंद्र एवं राज्य सरकारें भी इसे प्रोत्साहित कर रही हैं, प्रशासकीय कार्यों में डिजिटल माध्यमो का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है। क्लास रूम टीचिंग का कोई विकल्प नहीं है फिर भी समय की आवश्यकता के अनुसार डिजिटल माध्यमों से उच्च शिक्षण पद्धतियों का तेजी से विकास हो रहा है। उक्त विचार विषय विशेषज्ञों ने 'उच्च शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धति और डिजिटल माध्यम अवसर और चुनौतियाँ विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबीनार में व्यक्त किए। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में 'उच्च शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धति और डिजिटल माध्यम अवसर और चुनौतियाँ' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार उच्च शिक्षा विभाग म प्र शासन के सौजन्य से आयोजित किया गया, जिसमें विशिष्ट वक्ता डॉ. विक्रम सिंह राजकीय डिग्री कालेज टप्पल अलीगढ़ ने बताया कि डिजिटल माध्यमों पर केंद्र और राज्य सरकारे सजग हैं ,शोध कार्यों में डिजिटल माध्यमों का अद्वितीय योगदान है , 2015 से यह प्रयास प्रारम्भ हुए थे स्वयं पोर्टल,मूक,इ-कंटेंट,वर्चुअल क्लासेज,इ.-लाइब्रेरी जैसे प्लेटफॉर्म लोकप्रिय हुए हैं.दिव्यांगों को उच्च शिक्षा के लिए डिजिटल माध्यम वरदान साबित हो रहा है, इसमें चुनौतियाँ भी है। क्लासरूम टीचिंग का कोई विकल्प नहीं है लेकिन समय कि आवश्यकता डिजिटल माध्यमों से उच्च शिक्षण पद्धति का ही है ,दिल्ली विश्वविद्यालय श्यामलाल कॉलेज के विषय विशेषज्ञ डा. आकाश के सोनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोविड के बाद डिजिटल माध्यमों से उच्च शिक्षा का तेजी से विकास हुआ है ,यह भोगोलिक सीमाओं से परेशिक्षा प्रभावशाली और रोचक ढंग से देने का माध्यम बन गया है ,यह तुलनात्मक रूप से सस्ता माध्यम भी है इसमे लचीलापन, नवाचार और ग्लोबलिजेशन जैसी विशेषताएं भी हैं ,राष्ट्रीय शिक्षा नीति में क्रेडिट सिस्टम डिजिटल शिक्षा की सार्थक पहल है। प्राचार्य डॉ संजय जैन ने कहा कि डिजिटल माध्यमों ने उच्च शिक्षा को विश्वव्यापी बनाया है इंजीनियरिंग,कामर्स ,मेडिकल ,आर्किटेक्चर ,कला, संगीत, नृत्य ,फोटोग्राफी आदि में डिजिटल माध्यमो ने उच्च शिक्षा को मानवजाति के लिए और अधिक उपयोगी बना दिया है।

संयोजक डॉ समता जैन ने बताया कि इस राष्ट्रीय वेबीनार में महाराष्ट्र , छत्तीसगढ़, हरियाणा ,उत्तरप्रदेश ,राजस्थान ,गुजरात तथा मध्यप्रदेश के अतिरिक्त विदेश से भी लगभग दो सौ से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की है जिनमें प्राचार्य, प्राध्यापक ,शोधार्थी, डिजिटल मीडिया कर्मी आदि शामिल रहे तथा 28 शोध पात्र प्राप्त हुए हैं जिनकी स्मारिका एवं चयनित शोध पत्रों की पुस्तक प्रकाशित कि जायेगी।

17.10.2025   स्वदेश भोपाल 17.10.2025

दैनिक राजधानी पॉवर   मेट्रो   भोपाल,शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025   02

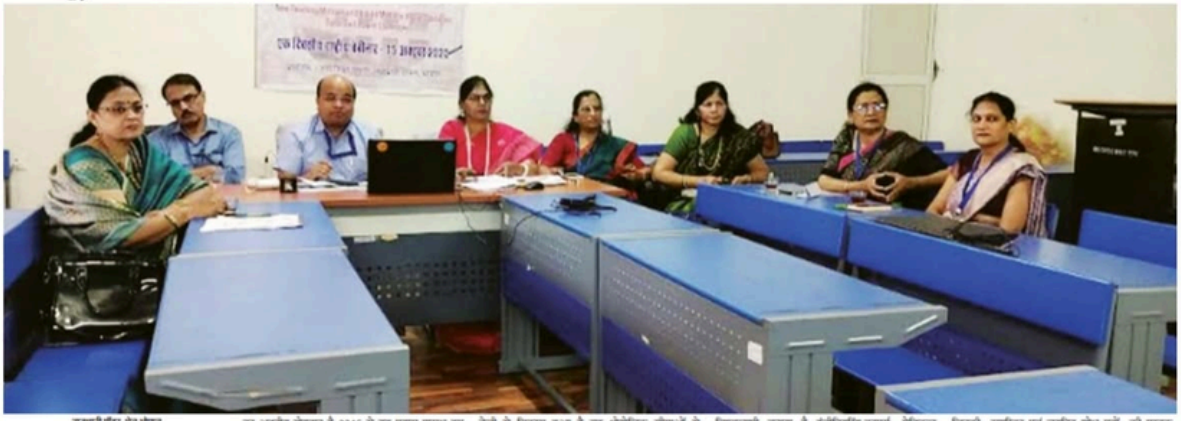

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में राष्ट्रीय वेबीनार

राजधानी पॉवर, भेल भोपाल

बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल भोपाल में द्वारा उच्च शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धति और डिजिटल माध्यम:अवसर और चुनौतियाँ विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार उच्च शिक्षा विभाग म प्र शासन के सौजन्य से आयोजित किया गया.जिसमे विशिष्ट वक्ता डा विक्रम सिंह राजकीय डिग्री कालेज टप्पल अलीगढ़ ने बताया कि डिजिटल माध्यमों पर केंद्र और राज्य सरकारे सजग हैं ,शोध कार्यों में डिजिटल माध्यमों का अद्वितीय योगदान है 2015 से यह प्रयास प्रारम्भ हुए थे स्वयं पोर्टल,मूक,इ-कंटेंट,वर्चुअल क्लासेज,इ.-लाइब्रेरी जैसे प्लेटफॉर्म लोकप्रिय हुए हैं। दिव्यांगों को उच्च शिक्षा के लिए डिजिटल माध्यम वरदान साबित हो रहा है इसमें चुनौतियाँ भी हैं क्लासरूम टीचिंग का कोई विकल्प नहीं है लेकिन समय कि आवश्यकता डिजिटल माध्यमों से उच्च शिक्षण पद्धति का ही है दिल्ली विश्वविद्यालय श्यामलाल कालेज के विषय विशेषज्ञ डा. आकाश के सोनी ने अपने उद्बोधन में कहा कि कोविड के बाद डिजिटल माध्यमो से उच्च शिक्षा का तेजी से विकास हुआ है यह भोगोलिक सीमाओं से परेशिक्षा प्रभावशाली और रोचक ढंग से देने का माध्यम बन गया है यह तुलनात्मक रूप से सस्ता माध्यम भी है इसमे चीलापन,नवाचार और ग्लोबलिजेशन जैसी विशेषताएं भी हैं राष्ट्रीय शिक्षा नीति में क्रेडिट सिस्टम डिजिटल शिक्षा की सार्थक पहल है फिलिप्ड क्लासरूम,ए आई,ईलर्निंग तथा प्रोजेक्ट आधारित शिक्षा इसके बेहतर स्वरूप हैं । राष्ट्रीय वेबीनार में सभी का स्वागत करते हुए अपने उद्बोधन में प्राचार्य डॉ संजय जैन ने कहा कि डिजिटल माध्यमों ने उच्च शिक्षा को विश्वव्यापी बनाया है इंजीनियरिंग,कामर्स ,मेडिकल ,आर्किटेक्चर ,कला, संगीत, नृत्य ,फोटोग्राफी आदि में डिजिटल माध्यमो ने उच्च शिक्षा को मानवजाति के लिए और अधिक उपयोगी बना दिया है । संयोजक डॉ. समता जैन ने बताया कि इस राष्ट्रीय वेबीनार में महाराष्ट्र ,छत्तीसगढ़, हरियाणा ,उत्तरप्रदेश ,राजस्थान ,गुजरात तथा मध्यप्रदेश के अतिरिक्त विदेश से भी लगभग दो सौ से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की है जिनमें प्राचार्य, प्राध्यापक ,शोधार्थी, डिजिटल मीडिया कर्मी आदि शामिल रहे तथा 28 शोध पात्र प्राप्त हुए हैं जिनकी स्मारिका एवं चयनित शोध पत्रों की पुस्तक प्रकाशित कि जायेगी। प्रारम्भ में आईक्यूएसी कोआरडीनेटर डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव ने महाविद्यालय का परिचय देते हुए कहा कि यह कालेज भेल क्षेत्र में होने के कारण मिनी भारत का प्रतिनिधित्व करता है शोधार्थियों द्वारा शोध पत्रों का वाचन एवं जिज्ञासाओं का विषय विशेषज्ञों द्वारा समाधान भी किया गया । अंत में होमसाइन्स विभागाध्यक्ष डॉ मीता बादल द्वारा विषय विशेषज्ञों , शोधार्थियों सहित सभी सहभागिता करने वालों का आभार व्यक्त किया गया ।

दैनिक भास्कर भोपाल 20.10.2025

वेबिनार में डिजिटल शिक्षा को बताया बेहतर, लेकिन कक्षा का विकल्प नहीं

भोपाल • डीबी स्टार। बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल में उच्च शिक्षा विभाग के सौजन्य से 'उच्च शिक्षा में नवीन शिक्षण पद्धति और डिजिटल माध्यम: अवसर और चुनौतियां' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार आयोजित किया गया। इसमें देश-विदेश के 200 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. संजय जैन, राजकीय डिग्री कॉलेज, टप्पल, अलीगढ़ के डॉ. विक्रम सिंह, श्यामलाल कॉलेज दिल्ली के डॉ. आकाश के सोनी, डॉ. कीर्ति श्रीवास्तव, डॉ. समता जैन, डॉ. मीता बादल भी मौजूद रहे। विशेषज्ञों ने एकमत से कहा कि समय की मांग डिजिटल शिक्षण है, जिसने उच्च शिक्षा को विश्वव्यापी बनाया है। स्वयं पोर्टल, मूक, ई-कंटेंट को लोकप्रिय बताया, लेकिन साथ ही यह भी माना कि क्लासरूम टीचिंग का कोई विकल्प नहीं है।

कार्यक्रम विवरणिकाएँ

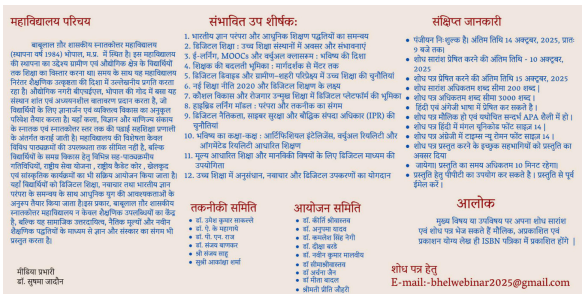

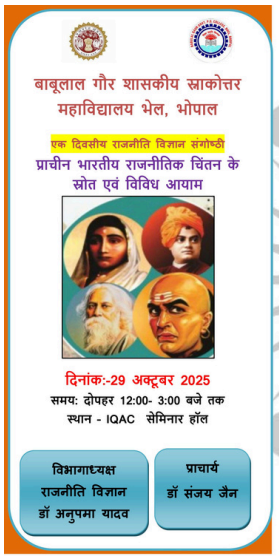

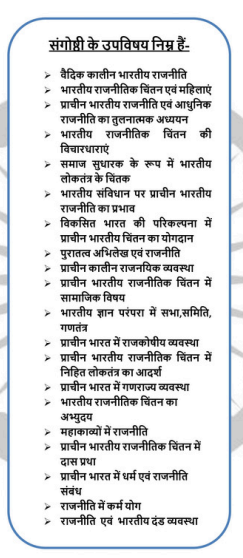

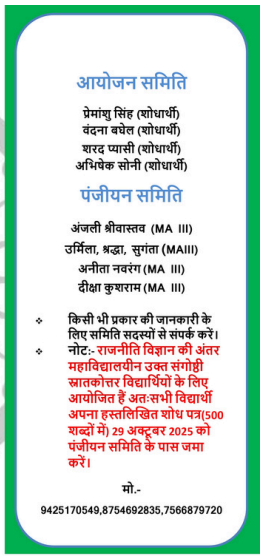

स्टूडेंट कॉर्नर

नयी कलम से.....

संघर्ष के सफर में एक विद्यार्थी....

ये उलझन में उलझ रहे हो,
खुद ही खुद से, सवाल कर रहे हो।
यूँ उदास बैठे हो, कुछ तो सोच रहे हो,
शायद अब तुम, धीरे - धीरे जिंदगी को समझ रहे हो।

क्या जिम्मेदारियाँ ऐसे घेर रही हैं, तुम्हें जैसे जंजीर हो,
यानी कि अब तुम जिम्मेदारियों में धीरे-धीरे बंध रहे हो ।
क्या अब इच्छाएँ नहीं रही, तुम्हारी ज्यादा,
मतलब तुम परिवार को लेकर चल रहे हो।

शायद तुम्हारे कुछ सपने हैं, जिस पर तुम दिन-रात मेहनत कर रहे हो ,
जिम्मेदारियाँ तुम्हें घेर रही हैं फिर भी तुम उनसे लड़ रहे हो।
वो माँ - बाप के आंखो में आस देख, तुम समझ रहे हो,
लेकिन तुम खामोशी से अपनी जंग लड़ रहे हो।

कामयाबी खुद तुम्हारे इंतजार में हैं,
क्योंकि तुम दिन-रात एक कर रहे हो ।

सानिया खान
बी. कॉम. द्वितीय वर्ष

प्रतिक्रियाएँ ई-मेल द्वारा प्राप्त

माह अक्टूबर का 'तरंग' पढ़कर मुझे बहुत अच्छा लगा। इस बार 'युवा उत्सव' में सहभागिता करने का अवसर मिला, आयोजन समिति को धन्यवाद ।

मधु सूर्यवंशी
बी.ए. प्रथम वर्ष

'तरंग' का हर अंक मुझे अच्छा लगता है। मैं कामर्स का विद्यार्थी हूँ । इस न्यूज लेटर से मुझे पूरे माह की गतिविधियों की जानकारी मिल जाती है।
Thank you 'तरंग' ।

तुषार पांडे
एम. कॉम. प्रथम सेमेस्टर

तरंग स्टार

आशुतोष द्विवेदी बीएस.सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी हैं। इस 'युवा उत्सव' में आपने वक्तृता और वाद-विवाद विधा में अपने वैचारिक कौशल, प्रभावी भाषा और तर्कशक्ति से सभी को प्रभावित किया। आशुतोष ने अपने लिखे और निर्देशित एकांकी की प्रस्तुति में एकल अभिनय से दर्शकों को भावविह्वल कर दिया। आशुतोष द्विवेदी इस अंक के 'तरंग' स्टार हैं। 'तरंग' टीम की ओर से उन्हें बधाई और हार्दिक शुभकामनाएँ ।

यह छात्र इस अंक के 'तरंग' स्टार हैं।

विशेष स्टूडेंट कॉर्नर

Compulsory For All Regular Students

सभी नियमित विद्यार्थियों के लिये अनिवार्य

SMIS

Student MIS Portal

Registration Link- https://babulalgaurgpgcollegebhelbhopal.co.in/

Contact Person- Dr. Arun Sen, Mob. No. 9755365563, Mr. Rahul Vanshkar, Mob. No. 9399988690

FREE ONLINE EDUCATION swayam शिक्षित भारत, उन्नत भारत

Registration Link- https://swayam.gov.in

Contact Person- Dr. Varsha Chauhan, Mob. No. 7692972143

NICE 25

Registration Link- https://nice.crypticsingh.com/register

After Registration fill this Google form Link- https://forms.gle/QhXR6FjpDd7KPBzP9

Contact Person- Dr. R.K. Sharma, Mob. No. 7987826713

मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना

फ्री ट्रेनिंग के साथ-साथ

हर महीने

8 से 10 हजार रुपये दिए जाएंगे

Registration Link- www.mmsky.mp.gov.in

After Registration fill this Google Form Link- https://forms.gle/ypZtDdU6QNGwj95M7

Contact Person- Mrs. Pratibha Deharia, Mob. No. 9826062480, Coordinator SVCGC

ABC ID CARD

ABC / APAAR ID

Registration Link- https://www.abc.gov.in

Contact Person- Dr. R.K. Sharma, Mob. No. 7987826713

सभी नियमित विद्यार्थियों को उपरोक्त में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।

आगामी कार्यक्रम

- म.प्र. स्थापना दिवस समारोह

संपादक की पाती

अक्टूबर का महीना उत्सवों और उमंगों से भरा रहा। 'युवा उत्सव' और अन्य गतिविधियों ने परिसर में सृजन, अभिव्यक्ति और ऊर्जा का ऐसा वातावरण रचा कि हर विद्यार्थी के भीतर छिपी प्रतिभा उजागर हो उठी। गीत, नृत्य, वाद-विवाद, नाट्य और कलात्मक प्रस्तुतियों ने हमारे महाविद्यालय को सच्चे अर्थों में 'तरंग' से भर दिया। सभी प्रतिभागियों और विजेताओं को हार्दिक बधाई।

अब समय है एकाग्रता और आत्ममंथन का। नवंबर के साथ ही आंतरिक मूल्यांकन का दौर आरंभ हो गया है। यह केवल अंकों का नहीं, बल्कि आत्म-मूल्यांकन का अवसर है- हमने जो सीखा, समझा और अनुभव किया, उसे दृढ़ता से दोहराने का समय। परीक्षा केवल उत्तर देने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि अपनी क्षमता पर विश्वास करने की परीक्षा भी है।

आइए, हम उत्सव की ऊर्जा को अध्ययन की एकाग्रता में रूपांतरित करें - उत्साह को अनुशासन से जोड़ें, ताकि परिणाम में भी वही चमक दिखे जो मंच पर दिखी थी।

इसी विश्वास के साथ कि हर विद्यार्थी अपने ज्ञान, कर्म और संस्कार से महाविद्यालय का गौरव बढ़ाएगा, नवंबर अंक प्रस्तुत है ।

माह- नवंबर 2025 का ' तरंग ' अंक आपके हाथों में है। यह अंक आपको कैसा लगा, हमें अवश्य बताएँ । आपकी टिप्पणी / सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी । विद्यार्थी अपनी रचनाएँ, सुझाव, प्रतिक्रिया और उपलब्धि 'स्टूडेंट कॉर्नर' के लिये tarangnews2024@gmail.com पर मेल कर सकते हैं।

सौजन्य ई-न्यूजलेटर समितिः-
डॉ. सुषमा जादौन (संयोजक)
डॉ. दीक्षा बरडे, डॉ. वर्षा चौहान
श्री संजय साहू (कम्प्यूटर वर्क)